



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 46]

नई दिल्ली, बुधवार, 30 मार्च, 1994/9 चैत्र, 1916

No. 46]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 30, 1994/CHAITRA 9, 1916

घाणिज्य मंत्रालय

लाइसेंस के यात्री कारों और आटोमोबाइल वाहनों का
आयात किया जा सकता है :—

सार्वजनिक सूचना सं. 202 (पी एन)/92-97

नई दिल्ली 30 मार्च, 1994

विषय :—निर्यात-आयात नीति, 1992-97—कार और आटो-
मोबाइल वाहनों के आयात से संबंधित नीति।

फा.सं. आई पी सी-4/5/126/85-88:—निर्यात-आयात
नीति, अप्रैल 1992, मार्च, 1997 के अध्याय-15 में
आयातों की निषेधात्मक सूची के खण्ड-अ भाग-2 में
यात्री कार तथा आटोमोबाइल वाहन शामिल हैं और
उनका आयात किसी लाइसेंस के मद्दे या इस संबंध में
जारी की गई किसी सार्वजनिक सूचना के अनुसार ही
अनुमित है अन्यथा नहीं। इस सार्वजनिक सूचना में
उन शर्तों का उल्लेख है जिनके अन्तर्गत ऐसे वाहनों का
आयात किया जा सकता है।

2. इस सार्वजनिक सूचना में विनिर्दिष्ट पात्र आयातकों
की श्रेणियों द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन बिना

- (1) वाहन के लिये भुगतान विदेश में किया जाये
और ऐसे भुगतान में भारत से प्रत्यक्ष या
परोक्ष रूप से विदेशी मुद्रा न भेजी जाये।
- (2) जब तक कि इस सार्वजनिक सूचना में किसी
विशेष श्रेणी वाले आयातक के मामले में
स्पष्ट रूप में छूट न दी गई हो, तब तक
सीमाशुल्क का भुगतान विदेशी मुद्रा में किया
जाये।
- (3) इस सार्वजनिक सूचना में पात्र आयातकों की
प्रत्येक श्रेणी के सामने विनिर्दिष्ट शर्तें पूरी
हों, और
- (4) भारत में स्थायी निवास के लिये वापस आने
वाले आयातकों के मामले में कार की
निकासी के समय सीमाशुल्क विभाग को इस आशय
की एक घोषणा दी जाये।

क. भारत में स्थायी निवास के लिये आने वाले भारतीय राष्ट्रिक या भारतीय मूल के विदेशी राष्ट्रिक

(क) इंजन साइज की एक यात्री कार का आयात जिसमें चार से अधिक सिलिन्डर न हों और जो 1600 सी.सी. से अधिक की न हो चाहे वह कार नई हो या पुरानी। वैकल्पिक रूप से एक यात्री कार का आयात भी अनुमित है बशर्ते कि वह कार आयातक के भारत वापस आने के पहले एक वर्ष से अधिक समय तक उसके इस्तेमाल में रही हो।

(ख) भारत में स्थायी रूप से बसने से पूर्व कम से कम 2 वर्ष तक लगातार आयातक विदेश में रहा हो।

(ग) भारत लौटने से पूर्व कार की कीमत विदेश में चुकता की गई हो।

(घ) आयातक के स्थायी रूप से भारत में स्थायी रूप से बसने के लिये आने से 6 माह के अन्दर-अन्दर कार भारत में आयात हो जानी चाहिये।

(ङ) यदि आयातक भारत से बाहर अपना आवास पुनः बदलता है तो इस नीति के अन्तर्गत पिछला वाहन आयात करने की तारीख के कम से कम 5 वर्ष की अवधि के बाद ही अन्य कार आयात करने का हकदार होगा।

(च) भारत लौटने के बाद आयातक वाहन को रखने की अवधि की पाबन्दी बिना अपनी कार खुले बाजार में बेचने के लिये स्वतन्त्र है।

(छ) अन्य किसी प्रकार के आटोमोबाइल वाहन के आयात की अनुमति विदेश व्यापार महा-निदेशक द्वारा गुणावगुण के आधार पर दी जायेगी।

ख. भारतीय नागरिकों से विवाहित विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के व्यक्तियों सहित)

(क) चाहे कार नई हो अथवा पुरानी एक यात्री कार का आयात अनुमित है।

(ख) आयातक अर्थात् विदेशी नागरिक (भारतीय मूल के व्यक्ति सहित) भारत में स्थायी रूप से बसने के लिये आ रहा है।

(ग) आयातक को कार शादी के एक साल के भीतर उसके माता-पिता के द्वारा उपहार में दी गई हो।

(घ) वाहन रखने की अवधि के संबंध में पाबन्दी के बगैर आयातक भारत में अपनी वापसी के बाद खुले बाजार में कार को बेचने के लिये स्वतन्त्र है।

ग. भारत में कार्यरत विदेशी नागरिक

(क) रोजगार, नियुक्ति या भारत में आयातक के ठहरने के लिये संविधा अवधि एक वर्ष से कम नहीं होगी।

(ख) एक वाहन का आयात अनुमित है।

(ग) यदि आयातक वाहन का निपटान करना चाहता है तो वह वाहन के पुनः निर्यात की शर्त के अधीन होगी या भारतीय राज्य व्यापार निगम या इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित ग, घ, ङ और च श्रेणियों में से किसी में भी शामिल पात्र आयातक को बेच सकेगा।

(घ) उपरोक्त (ग) में उल्लिखित शर्त के अनुसार पहले के वाहन को निपटाने के बाद वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो क्रमिक आयातों के बीच न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि हो।

घ. भारत में स्थापित विदेशी फर्मों, कम्पनियों और संस्थानों (व्यापारी या अन्यथा) की शाखाएं/कार्यालय

(क) भारत में स्थापित विदेशी फर्मों, कम्पनियों और संस्थानों (व्यापारी या अन्यथा) की शाखाएं/कार्यालय तीन वाहनों तक आयात कर सकते हैं।

(ख) यदि आयातक वाहन का निपटान करना चाहता है तो वह वाहन के पुनः निर्यात की शर्त के अधीन होगी या भारतीय राज्य व्यापार निगम या इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित ग, घ, ङ और च श्रेणियों में से किसी में भी शामिल पात्र आयातक को बेच सकेगा।

(ग) उपरोक्त (ग) में उल्लिखित शर्त के अनुसार पहले के वाहन को निपटाने के बाद वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो क्रमिक आयातों के बीच न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि हो।

ङ. 25% से अधिक विदेशी इक्विटी भागीदारी वाली भारत में संस्थापित कम्पनियां

(क) भारतीय कम्पनी तीन वाहनों तक आयात कर सकती है।

(ख) विदेशी मुद्रा में वाहन के भुगतान के साथ-साथ सीमाशुल्क का भुगतान भारतीय कम्पनी में इक्विटी रखने वाली विदेशी कम्पनी द्वारा की गई हो।

(ग) यदि भारतीय कम्पनी वाहन का निपटान करना चाहती है तो वह वाहन के पुनः निर्यात की शर्त के अधीन होगी या भारतीय राज्य व्यापार निगम को बिन्ही या इस सार्वजनिक सूचना में

उल्लिखित ग, घ, ङ और च श्रेणियों में से किसी में भी शामिल पात्र आयातक को विक्री कर सकेगा।

- (घ) उपरोक्त (ग) में उल्लिखित शर्त के अनुसार पहले के वाहन के निपटान के बाद वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो आयातों के बीच न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि हो।

च. विदेशी समाचार एजेंसियों के मान्य पत्रकार/संवाददाता

- (क) आयातक के पास प्रेस आसूचना ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार का मान्य प्रमाण-पत्र होना चाहिये।

(ख) एक वाहन का आयात अनुमित है।

- (ग) यदि भारतीय कम्पनी वाहन का निपटान करना चाहती है तो वह वाहन के पुनः निर्यात की शर्त के अधीन होगी या भारतीय राज्य व्यापार निगम को विक्री या इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित ग, घ, ङ और च श्रेणियों में से किसी में भी शामिल पात्र आयातक को विक्री कर सकेगा।

- (घ) उपरोक्त (ग) में उल्लिखित शर्त के अनुसार पहले के वाहन के निपटान के बाद वाहन का आयात किया जा सकता है बशर्ते कि वाहन के लगातार दो आयातों के बीच न्यूनतम 5 वर्षों की अवधि हो।

छ. विदेश में संविदाओं का निष्पादन कर रही भारतीय फर्में।

- (क) वाहनों का आयात, परियोजना के वास्तविक रूप से पूर्ण होने पर/विदेशी कार्यालय के बन्द होने पर, संविदा के निष्पादन के लिये विदेश में वाहनों को खरीदने के लिये भारतीय रिजर्व बैंक की अनुमति दर्शाता हुआ भारतीय रिजर्व बैंक के मन्जूरी-पत्र की प्रस्तुति के अधीन किया जा सकता है।

- (ख) फर्म/कम्पनी द्वारा वाहन का कम से कम एक वर्ष तक विदेश में प्रयोग किया गया हो।

- (ग) भारत में वाहन के आयातीकरण की तिथि से पांच वर्ष की अवधि तक आयातक द्वारा किसी भी हालत में वाहन को बेचा, स्थानान्तरित अथवा निपटाया नहीं जायेगा। यदि इस अवधि में आयातक वाहन का निपटान करना चाहता है तो वह इसे भारतीय राज्य व्यापार निगम को अथवा इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित श्रेणियों ग, घ, ङ और च में से किसी भी

एक के अन्तर्गत आने वाले पात्र योग्य आयातक को बेचने के लिये स्वतन्त्र होगा।

ज. धर्मार्थ तथा धर्म-प्रचारक संस्थाएं

- (क) इस शर्त के अधीन कि आयातक एक स्थापित संस्था है और समुदाय के आम हित कार्य कर रही है और विदेश अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 1976 के अन्तर्गत आवश्यक अनुमति प्रस्तुत करने पर वाहनों जैसे उपयोगी गाड़ियां, एम्बुलेंस, स्टेशन वैगनों, जीपों, मिनी बसों (यात्री कारों के प्रतिरिक्त) की उपहार के रूप में आयात की अनुमति है।

- (ख) सीमाशुल्क का भुगतान भारतीय रुपयों में किया जा सकता है।

- (ग) भारत में वाहन के आयात की तिथि से पांच वर्ष की अवधि तक आयातक द्वारा किसी भी हालत में वाहन को बेचा, स्थानान्तरित अथवा निपटाया नहीं जायेगा। यदि इस अवधि में आयातक वाहन को बेचना चाहता है तो वह इसे भारतीय राज्य व्यापार निगम को अथवा इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित श्रेणियों ग, घ, ङ और च में से किसी भी एक के अधीन योग्य आयातक को बेचने के लिये स्वतन्त्र होगा।

1. शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति :

(क) शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई कारों के आयात की अनुमति, इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न उपाबन्ध-1 में निर्धारित प्रोफार्मा पर स्टेट सिविल सर्जन या सरकारी अस्पताल में संबंधित विंग के अध्यक्ष द्वारा यह प्रमाणित करता हुआ कि आयातकर्ता में निम्नलिखित में से कोई अशक्तता है और बुर्बलता का प्रतिशत मेब्राइड स्केल के अनुसार कुल शरीर के 50% से कम नहीं है, के प्रमाणपत्र के आधार पर दी जाएगी।

(1) घुटने से नीचे एक पाश्विक अंग छिन्न होने को छोड़कर नीचे के अंग का एकपाश्विक/द्विपाश्विक अंग छिन्न।

(2) कोहनी के नीचे अथवा कोहनी के ऊपर बहुपाश्विक अंग छिन्न होना।

(3) अभिघातज/स्थायी पक्षाघात जिसका शल्य चिकित्सा अथवा औषधीय उपचार न किया जा सकता हो।

(4) किसी कारणवश शरीर के अंगों अथवा नीचे के अंगों में स्थायी पक्षाघात अथवा अर्धांगघात।

(5) सदमा, गठिया या जन्मजात कारण से काफी विकृत अंग लेकिन ऊपर के अंगों में से कम से कम ऊपर का एक अंग सामान्य हो।

(ख) यदि कार एक उपहार है, मूल में, वाता द्वारा पुष्टि पत्र, जो कि आवाता से वाता का संबंध दर्शाता हो।

(ग) प्रार्थी द्वारा सस्वयं चलाई जाने वाली कार के आयात के लिए आवश्यकता और अनिवार्यता को स्पष्ट दर्शाने वाला संतोषजनक साक्ष्य।

(घ) 1600 सी. सी. इंजन क्षमता तक केवल एक कार के आयात की अनुमति होगी।

(ङ) कार को बेचने की या निपटान करने की, या किसी और को सौंपने की, या गिरवी रखने की या बन्धक करने की या दृष्टिबन्धक करने की किसी भी समय पर अनुमति नहीं होगी। फिर भी विशेष परिस्थितियों में और वैध कारणों से निर्धारित की गई शर्तों के अनुसार, महानिदेशक, विदेश व्यापार, नई दिल्ली, अनुरोध पर, इस शर्त से छूट दे सकते हैं।

(च) आयातकर्ता को, लाइसेंसिंग प्राधिकारी जिसके साथ "बिक्री न करने का बंधपत्र" निष्पादित किया है, आयात की तारीख से 6 महीने के भीतर अपना ड्राइविंग लाइसेंस प्रस्तुत करना होगा।

(छ) सीमाशुल्क भारतीय रुपयों में दिया जाएगा। ज. विदेशी सरकार के अवैतनिक वाणिज्यदूत :

(क) विदेश मंत्रालय की सिफारिश पर एक यात्री कार के आयात की अनुमति है। बशर्ते कि कार की कीमत, बीमा तथा माल भाड़ा सहित, विदेशी सरकार वहन करे तथा आयात के समय सीमाशुल्क प्रार्थी के द्वारा भारतीय रुपयों में दिया गया हो।

(ख) इस सार्वजनिक सूचना में उल्लिखित ग, घ, ङ, और च श्रेणियों में से किसी एक द्वारा शामिल योग्य आयातकर्ता अथवा भारतीय राज्य व्यापार निगम को पहले वाहन की बिक्री या पहली कार का आयात करने की तारीख से पुनः निर्यात की शर्त के अध्वधीन पांच वर्ष की अवधि के बाद दूसरी कार के आयात की अनुमति दी जाएगी।

3. देश में वाहन का आयात होने पर, आयातकर्ता के नाम में इसका पंजीकरण होना चाहिए। आयात पर लागू शर्तों को पूरा करने के लिए आयातकर्ता, क तथा ख श्रेणियों को छोड़कर, इस सार्वजनिक सूचना के साथ संलग्न उपाबन्ध-II में निर्धारित फार्म में, विदेश व्यापार महानिदेशक के क्षेत्रीय लाइसेंसिंग कार्यालय पर भारत के राष्ट्रपति के पक्ष में, वाहन के सीमाशुल्क प्राधिकारियों द्वारा निर्धारित लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बराबर राशि के लिए बन्धपत्र निष्पादित करेंगे बन्धपत्र 5 साल की अवधि के लिए वैध होगा और इसके साथ बैंक गारन्टी देने की आवश्यकता नहीं है।

4. यदि आयातकर्ता केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या भारतीय दूतावासों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में तैनात/विदेश उच्च आयुक्तों अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के विदेश कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारी हैं, तो वे सीमाशुल्क

का भुगतान भारतीय रुपयों में करेंगे। उनके मामले में, वाहन के विक्रय की अनुमति आयात की तारीख से दो साल की अवधि के लिए नहीं होगी। फिर भी, यदि वे सीमाशुल्क का भुगतान विनिमय विदेशी मुद्रा में करते हैं तो विदेशी वाहन के विक्रय पर कोई पाबन्दी नहीं होगी।

5. इस सार्वजनिक सूचना के प्रावधानों पर विदेशी व्यापार महानिदेशक द्वारा गुणावगुण के आधार पर छूट दी जा सकती है।

6. सार्वजनिक सूचना संख्या 21-आई टी सी (पी एन)/92-97, दिनांक 26 जून, 1992 और सं. 85 (पी एन)/92-97 दिनांक 11 विसम्बर, 1992 का अधिक्रमण कर दिया गया है।

7. इसे लोकहित में जारी किया जा रहा है।

डा. पी एल संजीव रेड्डी, महानिदेशक, विदेश व्यापार

उपाबन्ध-I

वाणिज्य मंत्रालय सार्वजनिक

सूचना सं. (पीएन)/92-97 तारीख - मार्च 1994.

स्टेट सिविल सर्जन अथवा सरकारी अस्पताल में संबद्ध विंग के प्रमुख द्वारा विकलांगता की प्रकृति और सीमा के बारे में जारी किए जाने वाले चिकित्सा प्रमाण पत्र का प्रपत्र।

1. आवेदक का नाम
2. राष्ट्रीयता
3. जन्म की तारीख
4. व्यवसाय/पेशे की सही प्रकृति
5. पूरा आवासीय पता मेडिकल सर्टीफिकेट जारी कर्ता प्राधिकारी द्वारा विधिवत साक्ष्य-कित विकलांगता दर्शाते हुए आयातक का फोटोग्राफ
6. शारीरिक स्थिति

नेत्र परीक्षण

- (i) (क) दृष्टि-----दाईं आंख
-----बाईं आंख

(ख) वाहन चलाने में आवेदक को अनुपयुक्त बनाने वाली वर्ण अंधता, यदि कोई हो, निर्दिष्ट करें।

(ii) मानसिक स्थिति

- (क) सामान्य
(ख) उप-सामान्य
(ग) कोई मानसिक बिमारी

(iii) श्रवण

- (क) दाएं कान की श्रवण क्षमता
(ख) बाएं कान की श्रवण क्षमता

(4) विकलांगता की प्रकृति

(क) उल्लेख करें कि आबेदक निम्नलिखित विकलांगताओं में से किसका शिकार है :-

1. घुटने से नीचे एक पाशिवक अंग छिन्न होने को छोड़कर निचले एक/दोनों अंगों का कटा होना;
2. कुहनी से नीचे अथवा ऊपर से एक अंग छिन्न होना;
3. अभिघात/स्थायी लकवा जिसका शल्य चिकित्सा अथवा औषधीय उपचार नहीं किया जा सकता।
4. किसी कारण अथवा पक्षाघात द्वारा ऊपरी अंगों में से एक अथवा दोनों निचले अंगों का स्थायी लकवा; और
5. सदमा, गठिया अथवा जन्मजात कारण से घोर विकृत अंग लेकिन ऊपर के अंगों में से कम से कम एक अंग का सामान्य होना।

(ख) यदि हां, तो उपरोक्त 6(4) (क) (1 से 5) में से विकलांगता निर्दिष्ट करें तथा मेबरिड पैमाने के अनुसार क्षति की प्रतिशतता।

7. कार के आयात हेतु डाक्टर द्वारा सिफारिश किए गए अभिग्रहण/विकलांगता युक्तियों का प्रकार।

स्थान : डाक्टर के हस्ताक्षर
जो सिविल सर्जन के रैंक
तारीख : से कम न हो, अस्पताल की मुहर सहित।

परिशिष्ट—II

वाणिज्य मंत्रालय सार्वजनिक सूचना सं. (पी एन)/92—97
तारीख : मार्च, 1994 का परिशिष्ट

वैयक्तिक सामान के रूप में कार के आयातकों आदि भरा जानेवाला बंध-पत्र के नमूने का प्रपत्र।

इस प्रकार सबको ज्ञात हो कि हम (1) का (जिसे इसमें आगे आयातकर्ता कहा गया है जिसके अंतर्गत जहां संदर्भ से वैसा स्वीकार्य हो उसके/उनके संबंधित उत्तराधिकारी समनुदेशी, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि/उत्तराधिकारी और स्वीकृत अधिन्यासी) तथा (2) का

(जिसे इसमें आगे "प्रतिभू" कहा गया है जिसके अंतर्गत जहां संदर्भ से वैसा स्वीकार्य हो, उसे उनके संबंधित उत्तराधिकारी और समनुदेशी, प्रशासक और विधिक प्रतिनिधि,

उत्तराधिकारी और स्वीकृत अधिन्यासी शामिल होंगे, वचनबद्ध हैं तथा भारत के राष्ट्रपति के प्रति संयुक्त एवं पृथकतः दृढ़तापूर्वक आबद्ध हैं कि भारत के राष्ट्रपति का संयुक्त उप-महानिदेशक विदेश व्यापार के माध्यम से के लिए इस समय मांग किए जाने पर रूपए की रकम बिना विलंब शुल्क के अदा की जाए जिसके लिए वास्तविक रूप में भुगतान किया जाएगा, हम उनके द्वारा स्वयं की दृढ़तापूर्वक (आबद्ध करते हैं) तारीख माह 19

जबकि संयुक्त/उप महानिदेशक विदेश व्यापार, भारत सरकार। (जिसे इसमें आगे संयुक्त/उप महानिदेशक, विदेश व्यापार कहा गया है जिस अभिव्यक्ति में उस समय संयुक्त/उप महानिदेशक विदेश व्यापार के कर्तव्यों का निर्वहन करने वाला व्यक्ति शामिल होगा) ने आयातक द्वारा भारत ने आयातित यहां नीचे लिखी अनुसूची में पूर्णतया वर्णित के निकासी की अनुमति दे दी है। अब ऊपर लिखित बंध-पत्र की शर्त इस प्रकार है :—

1. यदि उक्त आयातक ने इस देश को छोड़ने के समय कार का पुनः निर्यात करता है अथवा छह महीनों से अधिक अवधि के लिए विदेश जाने के समय कार को भारत में छोड़ने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय संगठन की पूर्वानुमति ले ली थी।

तथा

2. यदि उक्त आयातक उक्त कार के तथा स्वामित्व को न बेचेगा, गिरवी रखेगा रेहन रखेगा/बंधक रखेगा अथवा पृथक करेगा अथवा अन्यथा उसे बेच देगा तो ऊपर लिखित बंध पत्र शून्य और निष्प्रभावी हो जाएगा अन्यथा यह बंध-पत्र पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी रहेगा और पक्षों के बीच निम्न प्रकार से एतद्द्वारा पूर्ण सहमति व घोषणा की जाती है :—

(क) कि उक्त लिखित बंध-पत्र उक्त के आयात की तारीख से वर्ष की अवधि के लिए पूर्णतः प्रवृत्त और प्रभावी रहेगा तथा उसे ऐसी अवधि के लिए नवीकृत समझा जाएगा तथा जिसे संयुक्त/उप महानिदेशक, विदेश व्यापार उक्त अवधि की समाप्ति के पहले बढ़ाना चाहें।

(ख) बंध-पत्र भारत सरकार की ओर से आयातक (जिसे प्रतिभू की सहमति अथवा जानकारी हो या न हो) के विरुद्ध बंध-पत्र को प्रवर्तित करने के लिए किया गया कोई परिहार्य कार्य या चूक किसी भी स्थिति में उक्त लिखित के बंधपत्र के अंतर्गत उक्त प्रतिभू को उसके दायित्व से निर्मुक्त नहीं करेगा।

(ग) यह बंध-पत्र केन्द्रीय सरकार के आदेश से ऐसा कार्य करने के लिए निष्पादित किया गया है जिसमें जनता का हित हो।

- (घ) जब भी महानिदेशक, विदेश व्यापार या किसी लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा मांग की जाए यह साक्ष्य आयातक प्रस्तुत आयातक करेगा कि कार उसके कब्जे और स्वामित्व में है; और
- (ङ) छोटे दौरे पर जाने को छोड़कर विदेश जाने समय आयातक कार को भारत में नहीं छोड़गा, जिसके लिए लाइसेंसिंग प्राधिकारियों से निकट रिश्तेदार के पास कार छोड़ने की मंजूरी लेनी होगी।
- (च) इस बंध-पत्र की शर्तों का उल्लंघन करने पर आयातक को बंध-पत्र की रकम का भुगतान करने के अतिरिक्त विदेश व्यापार (विकास और विनियम अधिनियम, 1992 तथा उसके तहत जारी किए गए नियमों के अंतर्गत दिए गए प्रावधान के अनुसार उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। निकासी के लिए साल की अनुसूची 19 दिन को पक्षों की सम्पत्ति के साक्षी के रूप में की उपस्थिति में उक्त आयातक द्वारा हस्ताक्षरित की उपस्थिति में उक्त नामित साक्षी द्वारा हस्ताक्षरित भारत के राष्ट्रपति की ओर से तथा के लिए द्वारा स्वीकृत।

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 202(PN)/92—97

New Delhi, the 30th March, 1994

SUBJECT : Export and Import Policy, 1992—97
Policy relating to import of car and automobile vehicles.

F. No. IPC/4/5/126/85—88.—Passenger Cars and automobile vehicles are included in Section-J; Part-II of the Negative List of Imports in Chapter-XV of the Export and Import Policy April 1992—March 1997 and their import is not permitted except against a licence or in accordance with a Public Notice issued in this behalf. This Public Notice specifies the conditions under which such vehicles can be imported.

2. Import of passenger cars and automobile vehicles may be made without a licence by the categories of eligible importers specified in this Public Notice subject to the following conditions :—

- (i) the payment for the vehicle is made abroad and such payment does not involve, directly or indirectly, any remittance of foreign exchange from India;
- (ii) the payment of the customs duty is made in foreign exchange, unless expressly exempted in the case of any particular category of importer in this Public Notice;
- (iii) the conditions specified against each category of eligible importers in this Public Notice are fulfilled; and

- (iv) in the case of those importers returning to India for permanent settlement, a declaration to that effect is given to the Customs at the time of the clearance of the car.

A. Indian nationals or foreign nationals of Indian origin coming to India for permanent settlement :

- (a) Import of one passenger car with engine size not exceeding four cylinders and not exceeding 1600 c.c. is permitted, whether the car is new or old. Alternatively, import of one passenger car is also permitted provided the car has been in the use of the importer for more than a year prior to his return to India.
- (b) The importer has stayed abroad continuously for a period of at least two years prior to his coming to India for permanent settlement.
- (c) The payment for the car is made abroad before his return to India.
- (d) The car should be imported into India within six months of the arrival of the importer in India for permanent settlement.
- (e) If the importer transfers his residence out of India again, he will be entitled to import another car under this Policy only after a minimum period of five years from the date of importation of the previous vehicle.
- (f) The importer is free to sell the car in the open market after his return to India without any restriction as regards the period of retention of the vehicle.
- (g) Import of any other type of automobile vehicle may be permitted by the Director General of Foreign Trade on merits.

B. Foreign Nationals (including persons of Indian origin) Married to Indian Nationals :

- (a) Import of one passenger car is permitted, whether the car is new or old.
- (b) The importer, namely the foreign national (including person of Indian origin), is coming to India for permanent settlement.
- (c) The car has been gifted to the importer by the parents within one year of the marriage.
- (d) The importer is free to sell the car in the open market after his or her return to India without any restriction as regards the period of retention of the vehicle.

C. Foreign nationals working in India :

- (a) The contract period for the employment, assignment or stay of the importer in India shall not be less than one year.
- (b) Import of one vehicle is permitted.
- (c) In case the importer wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any of the

categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.

- (d) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (c) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports.

D. Branches/offices of foreign firms, companies and institutions (corporate or otherwise) established in India :

- (a) Branches/offices of foreign firms, companies and institutions (corporate or otherwise) established in India may import up to three vehicles.
- (b) In case the importer wants to dispose of the vehicles, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.
- (c) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (b) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.

E. Companies incorporated in India having foreign equity participation of more than 25% :

- (a) The Indian company may import into three vehicles.
- (b) The payment for the vehicle as well as the payment of the customs duty in foreign exchange are made by the foreign company holding equity in the Indian company.
- (c) In case the Indian company wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.
- (d) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (c) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports of a vehicle.

F. Accredited journalists/correspondents of foreign news agencies :

- (a) The importer should have the Accreditation Certificate from the Press Information Bureau, Ministry of Information & Broadcasting, Government of India.
- (b) Import of one vehicle is permitted.
- (c) In case the importer wants to dispose of the vehicle, it will be subject to the condition

of re-export of the vehicle or sale to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.

- (d) Subsequent import of a vehicle may be made after the disposal of the previous vehicle in accordance with the condition mentioned in (c) above, provided there is a minimum period of five years between two successive imports.

G. Indian firms executing contracts abroad :

- (a) Import of vehicles may be made after substantial completion of the project/winding up of the foreign office, subject to the production of a letter of approval from the Reserve Bank of India showing the permission of the Reserve Bank of India for the purchase of the vehicles abroad for the execution of the contract.
- (b) The vehicle should have been in the use of the firm/company abroad for atleast one year.
- (c) The vehicle shall not be sold, transferred or disposed of in any manner by the importer for a period of five years from the date of importation of the vehicle into India. If the importer wants to dispose of the vehicle within this period, he shall be free to sell it to the State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.

H. Charitable and Missionary Institutions.

- (a) Import of vehicles such as utility vans, ambulances, station wagons, jeeps, mini-buses (excluding passenger cars) is permitted as gift, subject to the condition that the importer is an established institution and is functioning for the common benefit of the community, and subject further to production of necessary clearance under the Foreign Contribution (Regulation) Act, 1976.
- (b) Payment of Customs duty may be made in Indian Rupees.
- (c) The vehicle shall not be sold, transferred or disposed of in any manner by the importer for a period of five years from the date of importation of the vehicle into India. If the importer wants to dispose of the vehicle within this period, he shall be free to sell it to State Trading Corporation of India or to an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.

I. Physically handicapped persons.

- (a) Import of cars specially designed for the physically handicapped may be permitted on the basis of a certificate in the proforma as prescribed in Annexure-I appended to

this Public Notice, from the State Civil Surgeon or Head of the concerned Wing in the Government Hospital, certifying that the importer has any of the following disabilities and the percentage of impairment is not less than 50 per cent of the total body as per Mebride Scale :

- (i) Unilateral|Bilateral amputees of the lower limbs excluding below knee unilateral amputees.
- (ii) Unilateral below elbow or above elbow amputees.
- (iii) Traumatic|permanent paralysis which cannot be surgically or medically treated.
- (iv) Permanent paralysis of one upper limbs or both lower limbs due to any reason or hemiparesis.
- (v) Grossly deformed limbs due to trauma arthritis or congenital but having atleast one upper limbs normal.
- (b) If the car is a gift, confirmatory letter from donor, in original, which should also indicate the donor's relationship with the donee.
- (c) Satisfactory evidence clearly justifying the need and essentiality for import of a self-driven car by the applicant.
- (d) Import of only one car upto 1600 CC engine capacity will be allowed.
- (e) Car shall not be allowed to be sold or otherwise disposed of or possession parted with, or pledged, mortgaged or hypothecated, at any time. However, in special circumstances, and for valid reasons, and subject to such conditions as may be laid down, the Director General of Foreign Trade, New Delhi, may on request, relax this condition.
- (f) The importer shall produce his driving licence within 6 months from the date of import, to the licensing authority with whom 'No Sale Bond' is executed.
- (g) The Customs duty may be paid in Indian Rupees.

J. Honorary Consuls of Foreign Government.

- (a) Import of one passenger car is permitted on the recommendation of the Ministry of External Affairs provided the cost of the car, including freight and insurance, is borne by the foreign Government and the Customs duty is paid by the applicant in Indian Rupees at the time of import.
- (b) Import of a second car will be permitted after a period of five years from the date of importation of the first car subject to the condition of re-export of the previous vehicle or its sale to the State Trading Corporation of India or an eligible importer covered by any one of the categories C, D, E and F mentioned in this Public Notice.

3. On the import of the vehicle into the country, it should be registered in the name of the importer. The importer, except those covered by Categories A and B, and all execute a bond in the form as prescribed in Annexure-II appended to this Public Notice, for an amount equal to Customs assessed c.i.f. value of the vehicle in favour of the President of India at the regional licensing office concerned of the Director General of Foreign Trade, undertaking to fulfil the conditions applicable to import. The bond shall be valid for a period of five years and it may not be supported by a Bank Guarantee.

4. If the importers are employees of the Central Government, State Governments or Public Sector Undertakings posted in Indian Embassies/High Commissions abroad or in foreign offices of public sector undertakings, they may make the payment of the Customs duty in Indian Rupees. In their case, the sale of the vehicle will not be permitted for a period of two years from the date of importation. However, if they make the payment of Customs duty in convertible foreign exchange, there will be no restriction on the sale of the imported vehicle.

5. The provisions of this Public Notice may be relaxed on merits by the Director General of Foreign Trade.

6. The Public Notices No. 21-ITC(PN)/92-97 dated the 26th June, 1992 and No. 85(PN)/92-97 dated the 11th December, 1992 stand superseded.

7. This issues in Public interest.

Dr. P. L. SANJEEV REDDY, Director General
of Foreign Trade

ANNEXURE-I

ANNEXURE TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. (PN) 92-97
DATED MARCH, 1994

Proforma of medical certificate to be issued by State Civil Surgeon or Head of concerned Wing in a Government Hospital dealing with nature and extent of disability

1. Name of the applicant .
2. Nationality .
3. Date of Birth .
4. Exact nature of business/profession .
5. Full residential address .
6. Physical condition .
 - (i) Eye Examination
 - (a) Vision.....Right eye.
.....Left eye.
 - (b) To specify if any colour blindness which makes him unsuitable for driving.
 - (ii) Mental condition
 - (a) Normal.
 - (b) Sub-normal.
 - (c) Any mental illness.
 - (iii) Hearing
 - (a) hearing in the right ear.
 - (b) hearing in the left ear.
 - (iv) Nature of disability.
 - (a) State whether the applicant is suffering from any of the 'disabilities' mentioned below :--
 1. Unilateral/Bilateral amputees of the lower limbs excluding below knee unilateral amputees ;
 2. Unilateral below elbow or above elbow amputees ;

Photograph of the importer showing the disability, duly attested by the medical certificate issuing authority.

3. Traumatic/permanent paralysis which cannot be surgically or medically treated ;
4. Permanent paralysis of one upper limbs or both lower limbs due to any reason or hemiparesis; and
5. Grossly deformed limbs due to trauma, arthritis or congenital but having at least one upper limbs normal.
- (b) If so, specify the disability out of 6(iv)(a) (1 to 5) above and percentage of impairment as per McBride Scale.

7. Type of adoption/disability gadgets recommended by the Doctor for import of car.

Place :

Date :

Signature of the Doctor not below the rank of Civil Surgeon along with Seal of the Hospital.

ANNEXURE—II

ANNEXURE TO THE MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE NO. (PN)92—97 DATED MARCH, 1994.

SPECIMEN BOND FORM TO BE EXECUTED BY IMPORTERS OF CARS ETC. AS PERSONAL BAGGAGE.

Know all men by these presents that We (1) _____ of _____ (hereinafter called the importer which expression shall where the context so admits include his|their respective heirs, executors, administrators and legal representatives|successors and permitted assignees) and (2) _____ of _____ (hereinafter called 'the surety' which expression shall where the context so admits include his|their respective heirs, executors, administrators and legal representatives|successors and permitted assignees are held and firmly bound jointly and severally unto the President of India to pay to the President of India through the Joint|Deputy Director General of Foreign Trade _____ for the time being on demand and without demur the sum of Rs. _____ for which payment will and truly to be made, we bind ourselves firmly by these presents).

Dated this the _____ day of _____ 19_____. Whereas the Joint|Deputy Director General of Foreign Trade, Government of India, (herein referred to as the said Joint|Dy. Director General of Foreign Trade which expression shall include the person for the time being performing the duties of the Joint|Dy. Director General of Foreign Trade _____) has permitted clearance of _____ more fully described in the Schedule hereunder written, imported in India by the importer.

Now the condition of the above written bond are such that :—

1. If the said importer re-exports the car at the time of his leaving from this country or had taken prior permission of DGFT Organisation for leaving the car in India while proceeding abroad for a period exceeding six months.

AND

2. If the said importer shall not sell, pledge, mortgage, hypothecate or part with the possession of the said car or otherwise dispose of the car then the above written bond shall be void and of no effect otherwise the

same shall be and remain in full force and virtue. And it is hereby fully agreed and declared between the parties as follows :—

- (a) That the above written bond shall remain in full force and effect for the period of _____ years from the date of importation of the said _____ and shall be deemed to be renewed for such further period as the Joint|Dy. Director General of Foreign Trade may require any time before the expiry of the said period;
- (b) Any forbearance, act or omission on the part of the President of India to enforce the bond against the importer (whether with or without the knowledge or consent of the surety) shall not in any way release the said surety from his liability under the above written bond;
- (c) That this bond is entered into under the order of the Central Government for the performance of an act in which the Public are interested;
- (d) The importer shall produce evidence that the care is in his|her possession and ownership whenever demanded by the Director General of Foreign Trade or any licensing authority;
- (e) The importer shall not leave the car in India while going abroad except on short visits for which permission from the licensing authorities shall be obtained for leaving the car with the close relation; and
- (f) Any breach of terms and condition of this bond will render the importer liable to penalties as provided under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 and the Rules issued thereunder, over and above his liability for payment of the amount of the bond.

SCHEDULE OF GOODS FOR CLEARANCE

As witness the hands of the parties the _____ days of _____ 19_____.

Signed by the above named importer in the presence of _____. Signed by the above named surety, in the presence of _____. Accepted by _____ for and on behalf of the President of India.